Roll No. ……..

PJ–101

खगोलीय परिचय एवं फलित ज्योतिष हेतु आरंभिक गणित

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा / प्रमाणपत्र (डी. पी. जे.-12 / 16, सी. पी. जे.-11 / 16)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 70

नोट : यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार काल विभाजन का उल्लेख कीजिए।
2. सौरमण्डल में स्थित मंगल, बृहस्पति एवं शुक्र ग्रह का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
3. वार एवं नक्षत्र को परिभाषित करते हुए स्पष्ट व्याख्या कीजिए।
4. स्वकल्पित ग्रहस्पष्ट साधन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल छः (06) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सौर-चान्द्र-नाक्षत्र एवं सावन वर्ष को स्पष्ट रूप से लिखिए।
2. सौरमण्डल से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।
3. अक्षांश एवं अयनांश को परिभाषित करते हुए समझाइए।
4. गण्डमूल नक्षत्रों का विश्लेषण कीजिए।
5. पंचांग से आप क्या समझते हैं ? लिखिए।
6. लग्न किसे कहते हैं ? सैद्धान्तिक रीति से समझाइए।
7. वक्री एवं मार्गी ग्रहों पर प्रकाश डालिए।
8. अन्तर्दशा एवं प्रत्यन्तर दशा को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही विकल्प चुनिए :

1. 30 तत्पर = ?
   (अ) 2 निमेष
   (ब) 4 निमेष
   (स) 1 निमेष
   (द) 3 निमेष

2. एक वर्ष में कितने अयन होते हैं ?
   (अ) 2
   (ब) 4
   (स) 6
   (द) 3

3. मासों के क्रम में मार्गशीर्ष के पूर्व आता है :
   (अ) आश्विन
   (ब) कार्तिक
   (स) पौष
   (द) चैत्र

4. यूरेनस ग्रह की खोज कब हुई थी ?
   (अ) 1930 ई.
   (ब) 1846 ई.
   (स) 1781 ई.
   (द) 1526 ई.

5. ध्रुवस्थान से 90° (नब्बे अंश) पर होता है :
   (अ) कदम्ब वृत्त
   (ब) नाड़ी वृत्त
   (स) अहोरात्र वृत्त
   (द) क्षितिज वृत्त

6. रोहिणी नक्षत्र के स्वामी हैं :
   (अ) यम
   (ब) ब्रह्मा
   (स) अनल
   (द) दरत्र

7. निम्नलिखित में से द्विस्वभाव राशि नहीं है :

(अ) मिथुन

(ब) कन्या

(स) धनु

(द) कुम्भ

8. योगिनी दशाओं के क्रम में धान्या के पश्चात् आता है :

(अ) भद्रिका

(ब) भ्रामरों

(स) उल्का

(द) सिद्धा

9. 'खवेद का शाब्दिक अर्थ है :

(अ) तीस

(ब) चालीस

(स) पचास

(द) साठ

10. दशमांश साधन में एक भाग कितने अंश का होता है ?

(अ) 4 अंश का

(ब) 5 अंश का

(स) 3 अंश का

(द) 8 अंश का